झुन्झुनूं जिले के स्थान–नामों में प्रयुक्त शब्दावली

डॉ.मुनेश कुमारी मीणा

हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी अपने व्यापक शब्द – भण्डार के कारण समृद्ध भाषा है हिन्दी भाषा के शब्द–भण्डार का निर्माण स्वदेशी एवं विदेशी दोनों भाषाओं के शब्दों से हुआ है। स्वदेशी भाषाओं में संस्कृत प्राकृत और अपभ्रंश भाषाओं से हिन्दी में अनेक शब्द दिये गये हैं। बंगला, मराठी, गुजराती प्रान्तीय भाषाओं के शब्द भी इसमें सम्मिलित है। विदेशी भाषाओं में फारसी, तुर्की, अरबी, अंग्रेजी और पुर्तगाली के नाम लिये जा सकते है इस प्रकार हिन्दी भाषा के शब्द – भण्डार में प्राचीन आर्य भाषाओं की तत्सम और तद्भव, देशी तथा विदेशी भाषाओं के शब्द उपलब्ध होते हैं।